Departments of Agriculture of Haryana, Punjab and Uttar Pradesh are not anticipating reduction in wheat production. Ensuing wheat crop in these States is having on-going major problems of *Phalaris* weed.

(b) According to studies made by the Indian Agricultural Research Institute, continuous use of isoproturon has resulted in development of resistance in *Phalaris* weed to the said weedicide in some areas of Punjab and Haryana. Based upon their investigation and research, recommendations have been made to combat the weed problem in wheat.

(c) All possible efforts being made by the Central and State Governments, Indian Council of Agricultural Research and State Agriculture Universities to tackle the *Phalaris* weed problem are as undr:—

(i) Financial assistance to fanners under a Centrally Sponsored Integrated Cereals Development Programme in wheat based cropping system as well as under the Central Sector Scheme for wheat minikit demonstration programme.

(ii) Identification of endemic pockets having *Phalaris* resistant bio-types to isoproturon and suggesting remedial measures therefor.

(iii) Popularising alternate weedicides to control *Phalaris* weed.

(iv) Ensuring availability of required weedicides.

(v) Organising joint surveys by the Experts from Central and State Government organisations to formulate appropriate strategy, to combat the menace of *Phalaris* weed.

(vi) Helping in the evaluation of newer herbicide against isoproturon resistant bio-types of *Phalaris* weed during current rabi season.

(vii) According high priority for early registration of newer herbicide under the Insecticide Act, 1968.

गुजरात में पशुपालन का विकास

2904. **श्री गोपाल सिंह जी. सोलंकी:** क्या पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि गुजरात में पशुपालन के विकास की बहुत अधिक संभावनायें है;

(ख) यदि हां, तो क्या राज्य में अनुसंधान केन्द्र स्थापित करने का कोई प्रस्ताव है;

(ग) क्या सरकर ने पशुपालन के विकास तथा इस संबंध में आन्म-निर्भर बनाने के लिये गुजरात के लिये कोई समयबद्व कार्यक्रम तैयार किया हैं?

(घ) यदि हैं, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ड) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

पशुपालन और डेयरी विभाग के राज्य मंत्री (डा. रघुवंश प्रसाद सिंह) : (क) जी, हां।

(ख) ऐसा कोई प्रस्ताव इस समय पशुपालन एवं डेयरी विभाग के पास विचाराधीन नहीं है।

(ग) से (ड़) पशुपालन एवं डेयरी विभाग, पशुपालन विकास के लिए गुजरात राज्य सहित राज्य सरकारों के प्रयासों की अनुपूर्ति करने के उद्देश्य से विभिन्न केन्द्रीय प्रायोजित योजनाएं क्रियान्वित करता रहा है। योजना की एक सूची संलग्र विवरण में दी गई है।

विवरण

केन्द्रीय प्रायोजित योजनाएं

1. हिमित वीर्य प्रौद्योगिकी तथा संततिप परिक्षा कार्यक्रम का विस्तार।
2. आहार तथा चारा विकास के लिए राज्यों को सहायता।
3. राष्ट्रीय पशूप्लेग उन्मूलन परियोजना।
4. पशु रोग नियंत्रण के लिए राज्यों को सहायता।
5. व्यावसायिक दक्षता का विकास ।
6. बूचड़खानों/पशु शव उपयोग केन्द्रों तथा प्राथमिक निस्त्वचन एकको के सुधार/स्थापना/आधुनिकीकरण के लिए राज्यों को सहायता।
7. प्रमुश पशुधन उत्पादों के उत्पादन का अनुमान लगाने के लिए एकीकृत नमूना सर्वेक्षण।
8. राष्ट्रीय सांड उत्पादन कार्यक्रम।
9. राष्ट्रीय मेढ़ा/मृग उत्पादन कार्यक्रम तथा खरगोश विकास कार्यक्रम।

9. भारवाही पशुओं का विकास।

10. एकीकृत सूअर विकास के लिए राज्यों को सहायता।

दुधारु पशुओं की उम्नत नस्ल की खरीद के संबंध में योजना तैयार किया जाना

2905. **श्री रामजीलाल**:

श्री अजीत जोगी:

क्या पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि:

(क) क्या सरकार ने देश में दुग्ध तथा दुग्ध उत्पदों की भारी कमी को देखते हुए गाय, भैंस तथा बकरी जैसे दुधारु पशुओं की उन्नत नस्ल की खरीद के संबंध में कोई योजना तैयार की है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं?

पशुपालन और डेयरी विभाग के राज्य मंत्री (डा. रघुवंश प्रसाद सिंह): (क) और (ख) जिला ग्रामीण विकास अभिकरणों के माध्यम से दुधारु पशुओं की उन्नत नस्लों की खरीद के लिए किसानों को विभिन्न प्रोत्साहन दिए जाते हैं। गैर ऑपरेशन फ्लड, पहाडी तथा पिछड़े क्षेत्रों में एकीकृत डेयरी विकास परियोजना के अंतर्गत गोपशु तथा केन्द्रीय क्षेत्र पायलट परियोजना "विशेष पशुधन विकास कार्यक्रम" के अंतर्गत गायों भैसों तथा बकरियों की अधिप्राप्ति के लिए भी प्रावधान उपलब्ध हैं।

Selling of DMS Milk in Black Market

2906. SHRIMATI MALTI SHARMA: Will the Minister of ANIMAL HUSBANDRY AND DIARYING be pleased to state:

(a) whether Government are aware that a large quantity of DMS milk is being sold in black market in Delhi;

(b) whether the staff working at milk booth in J-block (afternoon) Mandir Marg, New Delhi are selling milk at higher price in the open market and also selling to the residents @ Rs. 8/- per litre and due to this residents of this area are not geting the milk as per their requirement;

(c) if so, whether Government propose to look into the matter and take punitive action against the erring employees; and

(d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE DEPARTMENT OF ANIMAL HUSBANDRY AND DAIRYING (DR. RAGHUVANSH PRASAD SINGH): (a) DMS is selling tonned milk in polypacks at the rate of Rs. 7/- per litre. The price of milk sold by the DMS being the lowest in the market, it is bound to create a heavy demand for DMS milk.

(b) No, Sir, From the DMS milk booth No. 249-250, situated in J-Block, Mandir Marg, milk is sold to the consumers at the rate of Rs. 7/- per litre on the basis of "first come first serve".

(c) and (d) Do not arise in view of answers to parti, (a) and (to) above.

Cattle Population and Breed Improvement in Andhra Pradesh

2907. SHRI SOLIPETA RAMA-CHNADRA REDDY: Will the Minister of ANIMAL HUSBANDRY AND DIARYING be pleased to slate:

(a) the cattle population particularly cows, bulls, she buffalloes and buffalloes in Andhra Pradesh in the previous three years;

(b) the number of improved breed of animals, category-wise in previous three years;

(c) the details of work undertaken relating to improvement in the breed of animals; and

(d) the financial assistance extended for improvement in the breed of animals?

THE MINISTER OF STATE OF THE DEPARTMENT OF ANIMAL HUSBANDRY AND DAIRYING (DR RAGHUVANSH PRASAD SINGH): (a) and (b) Trie animal population is worked out through Uvestock Census which is conducted quinquennially. As per latest Livestock Census-1992, the